कार्यालय अध्यक्ष, राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड, देहरादून।

संख्या–46/रा0प0/पी0एस0/2012 दिनाँक 12–09–2012

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

महोदय,

आज दिनांक 12 सितम्बर, 2012 को एक दैनिक समाचार पत्र में जनपद देहरादून की तहसील सदर में व्याप्त गन्दगी तथा वहॉ के गन्दे वातावरण के सम्बन्ध में खबर छपी है। आप अवगत हैं कि कलक्ट्रेट तथा तहसील में हजारों लोगों का रोज आना–जाना होता रहता है और यदि वहॉ का माहौल गन्दा है, गन्दगी का ढेर है, पत्रावलियॉ बेतरतीब से रखीं हों, फाईलो पर धूल जमीं हो, मकड़ जाल बनी हुई हो तो यह जिला प्रशासन के लिए दुखद विषय है और इसे तुरन्त देखा जाना आवश्यक है।

यह भी सच है कि धनाभाव के कारण कुछ निर्माण कार्य नहीं हो पा रहे है, इसके लिए अलग से शासन से पत्राचार एवं वार्ता की जा रही है। परन्तु यह भी सच है कि जो कार्य हो सकते हों जैसे– स्वच्छता, फाईलों को तरतीब से रखना, गन्दगी का अम्बार न रखना, सिगरेट व बीड़ी के टुकडे न फेंकना, पत्रावलियों के ऊपर धूल न होना यह समस्त कार्य ऐसे हैं जो बिना बहुत धनराशि खर्च किए बिना हो सकते है। अभी भी प्रदेश में कुछ ऐसे मण्डलायुक्त कार्यालय तथा जिला कार्यालय हैं, जो अपनी स्वच्छता तथा साफ–सफाई के लिए जाने जाते है।

मैं चाहूंगा कि आप इस ओर विशेष ध्यान दें और अगले 15 दिनों में कम से कम निर्माण आदि का कार्य न भी हो तो उपरोक्त लिखित छोटे–छोटे कार्य कर कार्यालय को स्वच्छ, तरतीब तथा ढंग से रखें, ताकि जितने भी लोग राजकीय कार्य से आते है, उन्हें वहॉ का माहौल अच्छा लगे जैसे– उदाहरण के लिए कार्यालय का सूचना पट्ट, कक्षों में कर्मचारी/अधिकारियों की नाम पट्टिका आदि भी तरतीब से हों, कटी–फटी कागजात आदि इधर–उधर न बिखरें हों।

कृपया यह सुनिश्चित करें कि अगले 15 दिनों के बाद किसी भी समय वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जिला कार्यालयों का निरीक्षण किया जा सकेगा और यदि गन्दगी आदि की दुर्दशा पाई जाती है तो उसके लिए उचित कार्यवाही किए जाने पर विचार किया जायेगा।

भवदीय,

(सुभाष कुमार)
अध्यक्ष,
राजस्व परिषद।

संख्या एवं तद्दिनांक।

प्रतिलिपि– मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमॉऊ मण्डल, नैनीताल को इस आशय से प्रेषित कि वे भी इस सम्बन्ध में अपना मार्गदर्शन व निर्देश जिलाधिकारियों को निर्गत करते हुए परिषद कार्यालय को अवगत कराने का कष्ट करें।

(सुभाष कुमार)
अध्यक्ष,
राजस्व परिषद।